रणजीत टाइम्स

RNI - NO. MPHIN/2015/64585

वर्ष- 12 अंक - 1

साप्ताहिक अख़बार

इंदौर प्रति मंगलवार , 25 मार्च 2025 से 31 मार्च 2025 तक

पृष्ठ - 8 मूल्य - 2 रू.

सरकार बेरोजगारी पर चुप, संघ एजुकेशन सिस्टम कर रहा खत्म

● बीजेपी और आरएसएस पर भड़के राहुल गांधी, लगाए गंभीर आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में सोमवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में इंडिया गठबंधन के छात्र संगठनों ने प्रदर्शन किया। इस मौके पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बीजेपी और आरएसएस पर जमकर भड़ास निकाली। उन्होंने कहा कि देश में सबसे बड़ा मुद्दा रोजगार का है और केंद्र सरकार इस मुद्दे पर चुप है। राहुल गांधी ने कहा कि हम छात्र हितों से समझौता नहीं करेंगे। राहुल गांधी ने आरएसएस पर अटैक करते हुए कहा कि देश के सभी शिक्षण संस्थानों में आरएसएस के लोग बैठे हैं। सभी यूनिवर्सिटी में वाइस चांसलर आरएसएस के हैं। आरएसएस पूरे देश के एजुकेशन सिस्टम को खत्म कर रहा है। अगर सब उनके हाथ में गया तो देश बर्बाद हो जाएगा। हम सभी को मिलकर इससे लड़ना होगा।

राहुल गांधी ने बेरोजगारी के मुद्दे पर बीजेपी और केंद्र सरकार पर जमकर हमला बोला है। राहुल गांधी ने कहा कि केंद्र सरकार ने बेरोजगारी के मुद्दे पर चुप्पी साध रखी है। उधर नौकरी ना मिलने से देश के युवा काफी परेशान हैं।

● विधानसभा में राष्ट्रपति बोलीं-

छत्तीसगढ़ से मुझे लगाव

● मुर्मू ने कहा, 5-6 बार आई, यहां के लोग अच्छे, इसलिए छत्तीसगढ़िया सबसे बढ़िया कहते हैं

रायपुर (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा छत्तीसगढ़ से मुझे लगाव है। मैं 5-6 बार यहां आ चुकी हूं। यहां के लोग बहुत अच्छे हैं। इसलिए छत्तीसगढ़िया सबसे बढ़िया कहते हैं। आप जैसे बरगढ़, संबलपुर को छत्तीसगढ़ का हिस्सा समझते हैं, हम भी रायपुर को ओडिशा का हिस्सा समझते हैं। राष्ट्रपति बोलीं, परिसीमन की सीमा है, लेकिन दिल की कोई दीवार नहीं है। दिल से हम सब एक। चाहे छत्तीसगढ़ हो या ओडिशा हो। राष्ट्रपति ने ये बातें विधानसभा के रजत जयंती कार्यक्रम के मौके पर कही। इससे पहले उन्होंने जय जोहार कहकर अपने भाषण की शुरुआत की थी। इससे पहले स्पीकर रमन सिंह ने कहा कि छत्तीसगढ़ विधानसभा में टोनही प्रताड़ना, खाद्य सुरक्षा सहित अब तक 565 विधेयक पारित हो चुके हैं। विधानसभा में सदस्यों की संख्या 90 है। इनमें अनुसूचित जनजाति के 30, अनुसूचित जाति के 10, ओबीसी के 35 सदस्य, सामान्य वर्ग के 15 और महिला सदस्यों की संख्या 19 है। छत्तीसगढ़ से मुझे बहुत लगाव है। यहां के लोग काफी अच्छे हैं इसलिए छत्तीसगढ़िया सबसे बढ़िया कहते हैं।

400 गांवों में ओलों से खराब फसलों का मिलेगा मुआवजा

● सीएम यादव ने अफसरों को जल्द सर्वे करने को कहा, 4 बड़े सोलर प्लांट लगेंगे

भोपाल। मध्यप्रदेश में हाल ही में हुई ओलावृष्टि से 400 से ज्यादा गांवों में फसलों को नुकसान हुआ है। इसे देखते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अधिकारियों को तुरंत सर्वे करने और किसानों को राहत राशि देने के निर्देश दिए हैं। सोमवार को कैबिनेट की बैठक में ये भी तय हुआ कि प्रदेश में चार जगह बड़े सौर ऊर्जा संयंत्र (सोलर प्लांट) लगाए जाएंगे। इससे नगर निगमों और नगर पालिकाओं का बिजली खर्च कम होगा। साथ ही जल आपूर्ति योजनाओं के लिए भी सौर ऊर्जा का इस्तेमाल किया जाएगा, जिससे पानी सप्लाई आसान और सस्ती होगी। गर्मी में पानी की कमी न हो, इसके लिए मुख्यमंत्री ने सभी कलेक्टरों को तैयारी करने को कहा है। सिर्फ लोगों के लिए ही नहीं, बल्कि पशु-पक्षियों के लिए भी पानी की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए हैं। कैबिनेट में ये भी फैसला लिया गया कि उज्जैन को काल गणना का प्रमुख केंद्र बनाया जाएगा, क्योंकि यहां गणितीय सटीकता उच्च स्तर की मानी जाती है।

मोहन कैबिनेट के प्रमुख फैसले- उज्जैन को काल गणना का प्रमुख केंद्र बनाया जाएगा। प्रदेश में गुड़ी पड़वा पर नववर्ष उत्सव मनाया जाएगा, मंत्री अपने-अपने जिलों में समारोह में शामिल रहेंगे। ओलावृष्टि से प्रभावित 400 से अधिक गांवों में फसल नुकसान का सर्वे कर किसानों को राहत राशि दी जाएगी। खजुराहो में ओबेरॉय ग्रुप को 19 एकड़ भूमि वैलनेस सेंटर बनाने के लिए दी जाएगी। प्रदेश में चार बड़े सौर ऊर्जा संयंत्र लगाए जाएंगे, जिससे जल आपूर्ति ठीक हो।

● **प्रदेश में चार बड़े बड़े सोलर प्लांट लगाए जाएंगे-** मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कैबिनेट के फैसलों की जानकारी देते हुए बताया कि, प्रदेश में चार स्थानों पर बड़े सोलर प्लांट लगाए जाएंगे। प्रदेश सरकार नगर निगमों और नगर पालिकाओं में सबसे अधिक खर्च वेतन, पेयजल और बिजली पर होता है। इसलिए फैसला लिया गया है कि चार बड़े सौर ऊर्जा संयंत्र लगाए जाएं, ताकि निकायों का बिजली खर्च कम हो। विजयवर्गीय ने बताया कि लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की समूह जल योजनाओं के लिए भी सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए जाएंगे, जिससे जल आपूर्ति को सुचारू और किफायती बनाया जा सके।

● **गुड़ी पड़वा उत्सव में शामिल होंगे मंत्री-विधायक-** मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए हैं कि गुड़ी पड़वा के अवसर पर सभी मंत्री अपने-अपने प्रभार वाले जिलों में जाकर इस पर्व को मनाने में सहयोग करें। सभी मंत्री-विधायक इन कार्यक्रमों में शामिल रहें। अलग-अलग जिलों में ये पर्व अलग-अलग तरीके से मनाया जाता है। इसलिए स्थानीय परंपराओं के अनुसार नववर्ष समारोह आयोजित किए जाएंगे। इस दिन अधिक से अधिक लोगों को गुड़, धनिया और नीम की पत्तियां खाने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा, ताकि वे स्वस्थ रह सकें।

मुख्य आरोपी फहीम के घर चला बुलडोजर

● 500 दंगाइयों को भड़काने का आरोप, देशद्रोह का केस

● औरंगजेब की कब्र पर था विवाद, अब ऐक्शन हुआ शुरू

मुंबई (एजेंसी)। औरंगजेब की कब्र हटाने को लेकर नागपुर में हुई हिंसा के मुख्य आरोपी फहीम खान के घर पर सोमवार को बुलडोजर चलाया गया। हिंसा के एक और आरोपी यूसुफ शेख के घर का अवैध निर्माण भी तोड़ा गया है। नागपुर नगर निगम ने संजय बाग कॉलोनी, यशोधरा नगर में मौजूद फहीम के मकान का अवैध निर्माण हटाने के लिए रविवार को 24 घंटे का समय दिया था, जो सोमवार को पूरा हो गया। फहीम का मकान उसकी पत्नी के नाम पर है। नगर निगम ने इसकी बिल्डिंग परमीशन अप्रूवल में गड़बड़ी को लेकर कार्रवाई का नोटिस दिया था। नागपुर में 17 मार्च को औरंगजेब की कब्र हटाने को लेकर

विवाद के बाद हिंसा हुई है। इसके मास्टरमाइंड फहीम समेत 6 आरोपियों के खिलाफ देशद्रोह का केस दर्ज है। फहीम पर 500 से ज्यादा दंगाइयों को इकट्ठा करने और हिंसा को बढ़ावा देने का आरोप है। माइनॉरिटीज डेमोक्रेटिक पार्टी के शहर अध्यक्ष फहीम खान को दंगा और आगजनी की घटनाओं के दो दिन बाद 19 मार्च को गिरफ्तार किया गया था। वह अभी पुलिस हिरासत में हैं। फहीम ने 21 मार्च को सेशंस कोर्ट में जमानत के लिए याचिका लगाई थी। उसका दावा है कि उसे राजनीतिक प्रतिशोध के चलते गिरफ्तार किया गया है, क्योंकि उसने विश्व हिंदू परिषद कार्यकर्ताओं के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। हिंसा के पांचवें दिन शनिवार को सीएम ने नागपुर में प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। उन्होंने कहा था- नुकसान की भरपाई दंगाइयों से होगी।

मार्च के आखिरी दिनों में एमपी में तेज गर्मी

● रतलाम में तापमान 39 डिग्री सेल्सियस पहुंचा

● ग्वालियर, इंदौर और उज्जैन संभाग सबसे गर्म

भोपाल। मध्यप्रदेश में मार्च के आखिरी दिनों में तेज गर्मी पड़ती है। पिछले 10 साल से यह ट्रेंड रहा है। अबकी बार भी ऐसा ही मौसम रहेगा। बारिश-ओले और आंधी का दौर थमते ही प्रदेश में गर्मी बढ़ गई है। रविवार को रतलाम में पारा 39 डिग्री पहुंच गया। ग्वालियर, इंदौर और उज्जैन संभाग के जिले सबसे ज्यादा गर्म रहे। मौसम विभाग के अनुसार, हिमालय के ऊपर एक वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) एक्टिव है, लेकिन यह स्ट्रॉन्ग नहीं है। इस वजह से प्रदेश में असर कम रहेगा। इधर, रविवार को पूरे प्रदेश में दिन के पारे में बढ़ोतरी देखने को मिली। रतलाम में 39 डिग्री, नर्मदापुरम में 38.8 डिग्री, धार में 37.4 डिग्री, खरगोन में 37 डिग्री, गुना-बैतूल में 36.5 डिग्री, नरसिंहपुर में 36.4 डिग्री और मंडला में पारा 36 डिग्री रहा। बड़े शहरों की बात करें तो उज्जैन में सबसे ज्यादा 36 डिग्री, इंदौर में 35.4 डिग्री, भोपाल में 35.1 डिग्री, जबलपुर में 34.9 डिग्री और ग्वालियर में 34.7 डिग्री दर्ज किया गया।

रणजीत टाइम्स
साप्ताहिक अख़बार

करणी सेना ने लोकसभा सांसद राम लाल सुमन का पुतला दहन किया गया

करणी सेना भारत और अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के संयुक्त तत्वाधान में रीगल चौराहे इंदौर में सपा प्रमुख अखिलेश यादव और लोकसभा सांसद राम लाल सुमन का पुतला दहन किया गया,राष्ट्रीय उपाध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह गौतम ने बताया कि अगर राम लाल सुमन से समाज से माफी नहीं मांगी तो पूरे मध्यप्रदेश में उग्र आंदोलन किया जाएगा.उक्त मौके पर करणी सेना भारत के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के प्रदेश अध्यक्ष कुंवर.धर्मेंद्र सिंह गौतम, प्रदेश उपाध्यक्ष धीरज सिंह चौहान जी,प्रदेश मंत्री मनोज सिंह चौहान जी, जिला अध्यक्ष यादवेंद्र सिंह गौर, जिला अध्यक्ष क्षत्रिय महासभा जितेंद्र सिंह पंवार जी,जिला अध्यक्ष वरिष्ठ शैलेन्द्र सिंह चंदेल जी,युवा जिला अध्यक्ष गोलू ठाकुर जी,नगर अध्यक्ष गौरव सिंह राजावत,गौरव सिंह चौहान,श्याम सिंह भदौरिया जी, अभिराज सिंह जी, विवेक सिंह चौहान, जितेंद्र सिंह परिहार जी, एवं अन्य पदाधिकारीगण उपस्थित थे पुतला दहन के दौरान अखिलेश यादव मुर्दाबाद, राम लाल सुमन मुर्दाबाद और अन्य नारे लगाए गए उक्त जानकारी प्रदेश कार्यालयीन सचिव हर्षित सिंह ठाकुर ने दी।

शिवपुरी जिले के पूर्व एसपी राजेश सिंह चंदेल बने रीवा डीआईजी

शिवपुरी जिले के पूर्व एसपी राजेश सिंह चंदेल बने रीवा डीआईजी शिवपुरी जिले मे बधाईहो का लग ता ता मध्यप्रदेश सरकार ने राज्य के 15 आईपीएस अफसरों के तबादले किए हैं। गृह विभाग ने रविवार देर रात इसके आदेश जारी किए। इस फेरबदल में रीवा रेंज के आईजी और डीआईजी सहित प्रदेश में कई अन्य अहम पदों पर नए अधिकारियों की नियुक्ति की गई है।

रीवा को मिले नए आईजी और डीआईजी

रीवा में आईजी (इंस्पेक्टर जनरल) के रूप में गौरव राजपूत को पदस्थ किया गया है। वहीं, डीआईजी (डिप्टी इंस्पेक्टर जनरल) के रूप में राजेश सिंह की नियुक्ति की गई है। इससे पहले डीआईजी, रीवा रेंज साकेत प्रकाश पांडे को पुलिस मुख्यालय (पीएचक्यू) में बुला लिया गया है। मऊगंज जिले में एएसआई की हत्या की घटना के बाद यह बदलाव किया गया है।

गौरव राजपूत को रीवा रेंज का आईजी बनाया गया है। वे इससे पहले गृह विभाग में ओएसडी के पद पर थे। वहीं, राजेश सिंह को रीवा रेंज का डीआईजी बनाया गया है। वे इससे पहले भोपाल में डीआईजी, सेनानी 25वीं वाहिनी, विसबल के पद पर कार्यरत थे। लोकायुक्त के प्रभारी महानिदेशक जयदीप प्रसाद हटाए गए भोपाल में आरटीओ के पूर्व कॉन्स्टेबल सौरभ शर्मा के ठिकानों पर छापा मारने वाले प्रभारी महानिदेशक, लोकायुक्त जयदीप प्रसाद को हटा दिया गया। उनकी जगह योगेश देशमुख को नया लोकायुक्त प्रमुख बनाया गया।

जयदीप प्रसाद को अब एडीजी, स्टेट क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो की जिम्मेदारी दी गई। जबकि योगेश देशमुख को लोकायुक्त में प्रभारी महानिदेशक बनाया गया, वे इससे पहले एडीजी, इंटेलिजेंस के पद पर कार्यरत थे।

आईपीएल के मैचों पर लग रहा है करोड़ों का सट्टा, नशे की तरह युवाओं में तेजी से बढ़ रही है इसकी लत

ऋषि गोस्वामी

शिवपुरी जिले में आईपीएल के मैचों पर लग रहा है करोड़ों का सट्टा, नशे की तरह युवाओं में तेजी से बढ़ रही है इसकी लत झारखंड में आईपीएल के मैचों पर करोड़ों का सट्टा लग रहा है. नशे की तरह युवाओं में इसकी लत तेजी से बढ़ रही है. सट्टे का पूरा कारोबार मोबाइल के जरिये चल रहा है. रांचीः मटका की तर्ज पर अब शिवपुरी में आइपीएल मैचों पर करोड़ों रुपये का सट्टा रोज लग रहा है. नशे की तरह युवाओं में सट्टे की लत भी तेजी से बढ़ रही है. टीमों की जीत, टीमों द्वारा बनाए गए कुल रन, अलग-अलग खिलाड़ियों के रन, प्रत्येक बॉल पर बनने वाले रन, आउट होने वाले खिलाड़ी आदि पर दांव लगाया जा रहा है. सटोरियों में बड़ी संख्या युवाओं की है. विभिन्न साइटों व मोबाइल ऐप के अलावा बुकियों द्वारा भी खाता खोल कर सट्टा खेलाया जा रहा है. सट्टे का पूरा कारोबार मोबाइल के जरिये चल रहा है।

सिंडिकेट कर रहा है अवैध कारोबार

राज्य में आइपीएल सट्टे का अवैध कारोबार सिंडिकेट कर रहा है. सिंडिकेट के बुकी कमीशन के आधार पर सट्टेबाजी का पैसा जमा करते हैं और दांव जीतने पर बढ़ी हुई रकम लौटाते भी हैं. बुकी को मोहल्लों के हिसाब से जिम्मा दिया जाता है. बुकी द्वारा नकद, फोन पे, गूगल पे व पेटीएम आदि के माध्यम से रुपये लिये जाते हैं. सट्टा खेलने के लिए बुकी को एडवांस देकर अपना अकाउंट खुलवाना पड़ता है. एडवांस की राशि 100 रुपये से एक लाख रुपये तक हो सकती है. खाता खोलने और उसके बाद सट्टे में हर बार लगायी जाने वाली राशि का कमीशन भी बुकी को मिल जाता है. युवाओं को फंसा रहे हैं सूदखोर।

युवाओं को सट्टे में पैसा लगाने के लिए सूदखोर भी प्रोत्साहित करते हैं. छोटे स्तर पर छिप कर सूद का काम करने वाले स्थानीय लोग युवाओं को भारी ब्याज पर सट्टा खेलने के लिए रुपये उधार देते हैं. बाद में ब्याज समेत पूरी रकम लौटाने का दबाव बनाते हैं. दबाव की वजह से पहले युवा दोस्तों और रिश्तेदारों से उधार लेते हैं और फिर बाद में अपने घर के अलावा परिचितों के यहां भी चोरी करने से भी गुरेज नहीं करते हैं. हाइटेक सटोरिये पुलिस की पकड़ से बाहर आइपीएल सट्टे का बाजार काफी हाइटेक है इंटरनेट पर सट्टा लगाने के लिए दर्जनों प्लेटफॉर्म मौजूद हैं स्थानीय स्तर पर भी ऑनलाइन प्लेटफॉर्म तैयार कर सट्टा खेलाया जा रहा है ज्यादातर प्लेटफॉर्म का मुख्यालय भारत से बाहर बताया जाता है इसके बलावा बुकी भी लगातार सिमकार्ड भी बदलते हैं इन कारणों से सटोरिये पुलिस की पकड़ से बाहर हैं. राज्य में अब तक सट्टे के अवैध कारोबार का खुलासा नहीं किया जा सका है।

उर्जात्सव 2K25 वार्षिक खेल, सांस्कृतिक एवं तकनीकी महोत्सव

निखिल चौधरी

प्रेस्टीज इंस्टीट्यूट ऑफ़ इंजीनियरिंग मैनेजमेंट एंड रिसर्च (PIEMR), इंदौर, अपने वार्षिक खेल, सांस्कृतिक एवं तकनीकी महोत्सव उर्जात्सव 2K25 का आयोजन कर रहा है, जो विभिन्न खेल, तकनीकी और सांस्कृतिक गतिविधियों का अनूठा संगम है। इस महोत्सव की शानदार शुरुआत 5 मार्च 2025 को डैंगलर लॉन्च के साथ हुई, जिसके बाद 7 मार्च से 12 मार्च तक इंटर-हाउस स्पोर्ट्स फेस्ट के रोमांचक मुकाबले आयोजित किए गए।

तकनीकी महोत्सव की शुरुआत 6 मार्च 2025 से हुई, जो इंजीनियरिंग छात्रों को अपनी तकनीकी दक्षता दिखाने का एक व्यापक मंच प्रदान करता है। इस महोत्सव में प्रतिष्ठित संस्थानों के विशेषज्ञों द्वारा कार्यशालाएँ आयोजित की गईं, जिनमें शामिल हैं: EV सिमुलेशन -नितिन नागर, मैटलैब विशेषज्ञ, NVIDIA सर्टिफिकेशन श्री नीलेशचंद्र पिकल, भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (IIIT), नागपुर, IoT-सक्षम AI पावर्ड कंप्यूटर विज़न एप्लिकेशन (रास्पबेरी पाई के साथ हैंड्स-ऑन) श्री हिमांशु शर्मा, वैज्ञानिक, CSIR AMPRI. AR, VR और XR की क्षमताओं को अनलॉक करना श्री नागार्जुन वट्टी, IIT रुड़की प्रमाणित यूनिटी 3D डेवलपर, 3D प्रिंटिंग -राष्ट्रीय

एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग सेंटर-वेस्ट के सहयोग से। इसके साथ ही, NITTTR, भोपाल स्थित SIEMENS लैब और शिवपुरी, ग्वालियर स्थित LUCAS NULLE लैब के तकनीकी दौरे छात्रों के लिए व्यावहारिक ज्ञान और अनुभव प्राप्त करने का प्रमुख स्रोत साबित होंगे।

इसके अतिरिक्त, इस तकनीकी महोत्सव में 10 तकनीकी प्रतियोगिताएँ आयोजित की जा रही हैं, जिनमें शामिल हैं: राष्ट्रीय स्तर का हैकाथॉन "कोड ऊर्जा 1.0", मेकाथॉन: रैपिड प्रोटोटाइपिंग प्रतियोगिता, तकनीकी क्विज़, प्रोजेक्ट प्रदर्शनी, इंजीनियरिंग और अनुप्रयुक्त विज्ञान में उभरते रुझान स्नातक/स्नातकोत्तर शोध प्रतियोगिता, सर्किट डिज़ाइन चैलेंज । छात्रों की ज्ञानवृद्धि और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न संगोष्ठियाँ भी आयोजित की जा रही हैं, जिनमें शामिल हैं: कृषि रोबोटिक्स और कंप्यूटर विज़न - डॉ. राधारमण मिश्रा, BITS पिलानी, बड़े कैंपस के लिए जल एवं अपशिष्ट प्रबंधन - इं. गोविंद पारचानी, छात्रों और संकाय सदस्यों के लिए वित्त पोषण के अवसर श्री अमनदीप श्रीवास्तव, IIT इंदौर, दृष्टि फाउंडेशन, भविष्य के लिए अपनी कौशल और प्रौद्योगिकी का नवाचार करें - श्री अनुपम भट्टाचार्य, टाटा टेक्नोलॉजीज

सांस्कृतिक महोत्सव की शुरुआत 22 मार्च को पारंपरिक दिवस के साथ हुई, जिसमें रैंप वॉक का आयोजन किया गया। इसके बाद कवि सम्मेलन और 28 एवं 29 मार्च को भव्य मंच पर शानदार प्रस्तुतियाँ होंगी, जिनमें इंटर कॉलेज सोलो सिंगिंग, इंट्रा और इंटर कॉलेज ग्रुप डांस, डांस ड्रामा शामिल हैं। सांस्कृतिक महोत्सव की विशेष आकर्षण बैंड परफॉर्मेंस और मेगा डांस इवेंट होंगे। साथ ही, शैक्षणिक उत्कृष्टता और खेल में उपलब्धि प्राप्त करने वाले छात्र भी सम्मानित किए जाएंगे।

प्रेस्टीज एजुकेशन फाउंडेशन के प्रबंधन प्राधिकरणों के मार्गदर्शन में उर्जेत्सव का आयोजन प्रतिवर्ष किया जाता है, जिससे छात्रों को अपनी तकनीकी और अन्य प्रतिभाओं को प्रदर्शित करने का मंच मिलता है। डॉ. मनोजकुमार देशपांडे, वरिष्ठ निदेशक, PIEMR ने डॉ. देविश जैन, चेयरमैन, और इंजीनियर केतन जैन (प्रेस्टीज ग्रुप) के समर्थन और प्रोत्साहन के लिए आभार व्यक्त किया।

भारतीय किसान यूनियन सुनील के कार्यकर्ताओं ने,चार भट्टे मालिकों के खिलाफ दिया धरना, मांगे पूरी नहीं हुई तो, कल होगा बड़ा आंदोलन, लालता प्रसाद गंगवार (समाजसेवी)

दिनांक 24 मार्च 2025 को रामपुर तहसील मिलक, के ग्राम पंचायत मोहम्मद नगर नानकार के क्षेत्र में 4 भट्टे चल रहे उनकी कच्ची ईंट से किसानों की रास्ता और फसल खराब हो रही है इस मुद्दे को लेकर, भारतीय किसान यूनियन के जिला अध्यक्ष लालता प्रसाद गंगवार समाजसेवी के नेतृत्व में किया गया धरना प्रदर्शन, सैकड़ो किसानों द्वारा भट्टे मालीकों को चेतावनी दी गयी और कहा गया हमारी रास्ता वा फ़सल को नष्ट करना बंद करो, आप रास्ते पर पानी का छिड़काव करवाये . वरना रास्ते पर निकलने नहीं दिए जाएगा, 30 ट्रैक्टर ट्राली 6 घंटे लगातार खड़ी रखी किसानों ने, फिर भी भट्टे मलिक नहीं आए, तानाशाही दिखा रहे भट्टे मलिक, इंडस्ट्री के नाम प्रथम 2006 ब्रिक्र, द्वितीय गुप्ता ब्रिक, तृतीय 2011ब्रिक , चौथ भारत ब्रिक , इन चारों भट्टो के भारी वाहनों से किसानों की रास्ता और फसल को भारी नुकसान हो रहा है।

वह इन्होंने एक नहर की पुलिया तोड़ दी वहां पर कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है, कच्ची ईंट से रास्ता और फसल खराब हुई, गेहूं की फसल को लेकर क्षेत्र के किसानों में भारी आक्रोश देखने को मिला, रास्ते पर श्मशान घाट मंदिर और नदी को जाने वाली रास्ता भारी धूल से लटपट, धूल प्रदूषण से खेतों पर किसानों को जाने आने में दिक्कत होती है, किसाने की मांगे नई पुलिया बनाई जाए जहां रास्ता खराब संभाला जाए प्रत्येक दिन जहां से कच्ची ईट आ रही और जहां तक जा रही पानी छिड़का पाया जाए, कल तक हमारी मांग पूरी नहीं की गई तो होंगा बड़ा धरना प्रदर्शन रामपुर जिले तहसील मिलक के प्रशासन अधिकारियों से हाथ जोड़कर विनती, किसानो की बातों को सुने, प्रदर्शन के दौरान मौजूद रहे, जिला अध्यक्ष लालता प्रसाद गंगवार समाजसेवी, ग्राम प्रधान पति अनिल गंगवार, चेतराम गंगवार, रोजगार सेवक महेंद्र गंगवार, बाबा पुराण गिरी, विपिन, रवि गंगवार, मनीष कुमार, विजयपाल, कृष्णपाल मौर्य, और हजारों की तादात में किसान उपस्थित रहे !

विधायक मालवीय ने बगावत का ऐलान किया, बोलेः माफी नहीं मांगूंगा

भारतीय जनता पार्टी के विधायक चिंतामणि मालवीय ने अप्रत्यक्ष रूप से बगावत का ऐलान कर दिया है। पार्टी की तरफ से जारी हुए नोटिस पर मीडिया में प्रतिक्रिया देते हुए श्री मालवीय ने कहा कि, नोटिस का जवाब दूंगा, लेकिन माफी मांगना मेरा स्वभाव नही है। उल्लेखनीय है कि श्री मालवीय ने पार्टी लाइन के खिलाफ उज्जैन को आध्यात्मिक शहर बनाने का विरोध किया है।

भाजपा विधायक मालवीय अपने बयान पर अड़े9 मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में, विधानसभा परिसर में पत्रकारों से बातचीत करते हुए बीजेपी विधायक चिंतामणि मालवीय ने कहा- मुझे अभी नोटिस नहीं मिला है। जब नोटिस मिलेगा, तब तथ्यानुरूप जवाब देंगे। उन्होंने कहा- जो मेरा बयान है, वही अंतिम है। जो भी कुछ कहना था, मैंने सदन में कह दिया। मालवीय ने यह भी कहा कि माफी मांगना मेरा स्वभाव नहीं है। यहां याद रखना जरूरी है कि नोटिस भाजपा की प्रदेश इकाई की ओर से भेजा गया है परंतु स्पष्ट लिखा है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्देश पर जारी किया जा रहा है।

विधायक चिंतामणि मालवीय को नोटिस क्यों दिया

दरअसल, विधायक चिंतामणि मालवीय ने विधानसभा में 18 मार्च को उज्जैन को आध्यात्मिक शहर बनाने का विरोध किया था। इसके अलावा उन्होंने और भी कई बयान दिए जो पार्टी की पॉलिसी के खिलाफ थे। उन्होंने एक विपक्षी नेता की विधानसभा में कल्पना के आधार पर सरकार पर आरोप लगाए। कांग्रेस के विधायकों एवं अन्य नेताओं से गुपचुप मुलाकात कर रहे हैं और इलाके के आपराधिक तत्वों को संरक्षण दे रहे हैं।

अक्षय बम को पुलिस सुरक्षा मिलने पर कांग्रेस ने फोटो वीडियो जारी कर जताया विरोध

इंदौर। भाजपा नेता अक्षय बम को पुलिस सुरक्षा मिलने पर कांग्रेस ने विरोध जताया है। कांग्रेस नेता गिरीश जोशी और विवेक खंडेलवाल ने आरोप लगाया कि अक्षय बम पर हत्या के प्रयास समेत गंभीर धाराओं में मामला दर्ज होने के बावजूद उसे पुलिस सुरक्षा दी जा रही है। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि अक्षय बम पहले कांग्रेस में था और लोकसभा चुनाव के दौरान पार्टी का प्रत्याशी भी बना, लेकिन अंतिम समय में भाजपा में शामिल हो गया। इसके बाद से ही उसे पुलिस सुरक्षा दी जा रही है, जबकि वह किसी संवैधानिक पद पर नहीं है। कांग्रेस ने इसे कानून का मजाक बताते हुए सवाल उठाया कि जब पुलिस बल की कमी का दावा किया जाता है, तो फिर एक गंभीर अपराध के आरोपी को सुरक्षा क्यों दी जा रही है। कांग्रेस ने अक्षय बम की पुलिस सुरक्षा के फोटो और वीडियो जारी कर मुख्यमंत्री मोहन यादव को ज्ञापन सौंपने की बात कही है। कांग्रेस की मांग है कि इस सुरक्षा को तुरंत हटाया जाए।

रणजीत टाइम्स साप्ताहिक अखबार

खुदाई के दौरान निकला रहस्यमयी प्राचीन कमरा और गुप्त रास्ता !

जमीन मालिक बोले- अनाज भंडारण का पुराना कमरा, पार्षद बोले- इतिहास से जुड़े हो सकते हैं बड़े राज!

बुरहानपुर। जिले के राजपुरा क्षेत्र में खुदाई के दौरान एक प्राचीन कालीन कमरा और गुप्त रास्ता मिलने से हड़कंप मच गया है। स्थानीय लोग इसे किसी पुरातात्विक धरोहर से जोड़कर देख रहे हैं, जबकि जमीन मालिक का दावा है कि यह केवल 100 साल पुराना अनाज संग्रहण कक्ष है। खुदाई के दौरान जब मीडिया कर्मी कैमरों के साथ मौके पर पहुंचे, तब तक खुदाई जारी थी। कुछ लोग जहां इसे इतिहास से जुड़ा रहस्य मान रहे हैं, वहीं मकान मालिक आनंद भगत का कहना है कि यह सिर्फ अनाज भंडारण के लिए बना एक पुराना कक्ष है। लेकिन जब उनसे गहराई से चर्चा की गई, तो उन्होंने अंदर किसी भी गुप्त संरचना के होने से इनकार कर दिया।

क्या है इस रहस्यमयी कमरे की कहानी?

खुदाई के दौरान जो कमरा और गुप्त रास्ता मिला है, उसकी बनावट और डिजाइन पुरानी ऐतिहासिक इमारतों से मिलती-जुलती बताई जा रही है। मौके पर मौजूद स्थानीय पार्षद अजय बालापुरकर का कहना है कि यह जगह प्राचीनकालीन हो सकती है और इसके नीचे कई बड़े राज छिपे हो सकते हैं। पार्षद ने प्रशासन से मांग की है कि सरकारी पुरातत्व विभाग को इस खुदाई की जांच करनी चाहिए, ताकि पता चले कि यह स्थान सच में केवल एक अनाज भंडार था या फिर यह कोई ऐतिहासिक धरोहर है। गुप्त रास्ते का रहस्य, क्या कोई बड़ा ऐतिहासिक खुलासा होगा? स्थानीय लोगों का कहना है कि बुरहानपुर ऐतिहासिक धरोहरों का गढ़ रहा है और यहां पहले भी कई पुरानी संरचनाएं मिली हैं। लोगों को संदेह है कि इस कमरे के अंदर कोई गुप्त रास्ता किसी बड़े ऐतिहासिक स्थान से जुड़ा हो सकता है। यह सारे सवाल अब पुरातत्व विभाग की जांच पर निर्भर करेंगे। लेकिन समाचार लिखे जाने तक कोई भी अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा था, जिससे इस रहस्यमयी खोज को लेकर स्थानीय लोगों में उत्सुकता और संदेह दोनों बढ़ते जा रहे हैं।

● अब क्या होगा? प्रशासन करेगा जांच या सब ध्वस्त हो जाएगा?

सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या इस ऐतिहासिक खोज की जांच होगी या इसे नष्ट कर दिया जाएगा? अगर यह पुरातात्विक धरोहर साबित होती है, तो यह बुरहानपुर के गौरवशाली इतिहास का एक और महत्वपूर्ण हिस्सा बन सकती है। लेकिन अगर जल्द ही इस पर ध्यान नहीं दिया गया, तो शायद यह एक अनसुलझा रहस्य बनकर मिट्टी में दब जाएगा।

नर्सिंग छात्रा से दरिंदगी ! शादी का झांसा देकर किया दुष्कर्म, गर्भवती होने पर जीजा ने भी बनाया हवस का शिकार, फिर जबरन कराया गर्भपात

ग्वालियर। एक नर्सिंग छात्रा से रेप का मामला सामने आया है। जहां एक युवक ने छात्रा को शादी का झांसा देकर दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया हैं। इतना नही युवक लगातार छात्रा का शारीरिक शोषण करता रहा। जब नर्सिंग छात्रा गर्भवती हो गई तो छात्रा ने शादी के लिए दबाव बनाया। जिस पर आरोपी के जीजा ने छात्रा को बातचीत के बहाने बुलाकर जीजा ने भी उसके साथ दुष्कर्म किया। उसके बाद उसका गर्भपात करा दिया। पीड़ित छात्रा ने इसकी शिकायत पुलिस से की है। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर आरोपी जीजा-साले के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी हैं।ग्वालियर के हजीरा थाना पुलिस के पास पहुंची युवती ने पुलिस से शिकायत कर बताया कि वह उत्तर प्रदेश के झांसी की रहने वाली है और मुरैना के एक नर्सिंग कॉलेज में पढ़ाई कर रही है। करीब एक साल पहले उसकी दोस्ती सबलगढ़ के रहने वाले पुष्पेंद्र रावत से हुई। चार महीने पहले पुष्पेंद्र उसे चार शहर का नाका स्थित अपने रिश्तेदार के घर लेकर गया था। जहां उसने छात्रा को शादी का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद वह लगातार उसका शारीरिक शोषण करता रहा।करीब डेढ़ महीने पहले पीड़िता को पता चला कि वह गर्भवती है। जिसके बाद उसने पुष्पेंद्र को बताया और शादी के लिए कहा। पुष्पेंद्र ने अपने जीजा पान सिंह को सारी बात बताई और मदद मांगी। जिसके बाद जीजा पान सिंह ने छात्रा को बातचीत के बहाने मुरैना के जौरा बुलाया। जहां आरोपी युवक के जीजा ने भी छात्रा को अपनी हवस का शिकार बना डाला। इतना ही नहीं, बल्कि पीड़िता का गर्भपात भी करा दिया। गर्भपात के बाद आरोपी पुष्पेंद्र शादी के मुकर गया। जिसके बाद पीड़िता ने इसकी शिकायत पुलिस से की हैं। वहीं पुलिस ने छात्रा की शिकायत पर आरोपी जीजा साले के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी हैं।

मध्य प्रदेश नगर और ग्राम निवेश संशोधन विधेयक पारित, सदन में हंगामा - विपक्ष ने किया सड़क पर विरोध का ऐलान

भोपाल। विधानसभा में नगर और ग्राम निवेश संशोधन विधेयक 2025 पारित हो गया। इस विधेयक को भू अर्जन कानून में संशोधन के लिए पेश किया गया, जिससे विपक्षी दलों में भारी आक्रोश देखने को मिला। सदन में कांग्रेस ने सरकार पर आरोप लगाया कि यह विधेयक किसानों की जमीन हड़पने की साजिश है। इसी मुद्दे पर सदन में जबरदस्त हंगामा हुआ, लेकिन इसके बावजूद विधेयक पारित कर दिया गया। विधानसभा के बजट सत्र के अंतिम दिन, जब यह विधेयक पेश किया गया, तो पूर्व गृहमंत्री बाला बच्चन ने जोरदार विरोध करते हुए कहा कि यह संशोधन विधेयक किसानों की जमीन छीनने के लिए लाया गया है। उन्होंने सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि यदि हमारी शंकाओं का समाधान नहीं किया गया, तो हम सड़क पर उतरकर इसका पुरजोर विरोध करेंगे। बाला बच्चन ने कहा कि सरकार वन क्षेत्र की 37 लाख हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण करना चाहती है, जिससे लाखों किसानों की आजीविका प्रभावित

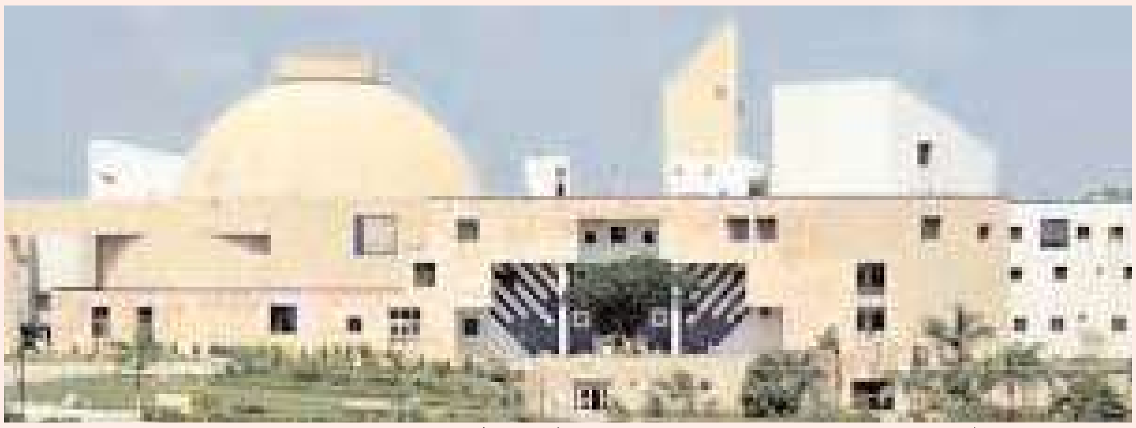

होगी। विपक्ष ने यह भी दावा किया कि निवेश के नाम पर किसानों की जमीन औने-पौने दाम पर जबरन ली जाएगी।

सरकार की सफाई ड्ढ किसानों को होगा फायदा, गलतफहमी फैला रहा विपक्ष

इन आरोपों का जवाब देते हुए नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि विपक्ष भ्रम फैला रहा है। उन्होंने साफ किया कि यह भू अर्जन छोटे-मोटे निवेश के लिए नहीं होगा, बल्कि 40 हेक्टेयर से अधिक भूमि पर बड़े निवेश के लिए ही अधिग्रहण किया जाएगा। विजयवर्गीय ने यह भी स्पष्ट किया कि किसानों को मुआवजे के बजाय विकसित जमीन देकर राशि दी जाएगी, जिससे उन्हें अधिक लाभ मिलेगा।सदन में कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने लगातार विरोध दर्ज कराया, लेकिन भारी हंगामे के बीच सरकार ने यह विधेयक पारित करा लिया। इसके बाद विपक्षी विधायकों ने ऐलान किया कि अब यह लड़ाई सदन तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि सड़कों पर भी आंदोलन किया जाएगा। किसानों को सीधे विकसित जमीन देकर लाभ दिया जाएगा। केवल 40 हेक्टेयर से अधिक जमीन पर ही अधिग्रहण किया जाएगा। विपक्ष की आपत्ति? विपक्ष का आरोप है कि किसानों की जमीन जबरन छीनी जाएगी।वन क्षेत्र की 37 लाख हेक्टेयर जमीन बड़े कॉर्पोरेट घरानों को दी जा सकती है। गरीब किसानों को उनका हक नहीं मिलेगा, बल्कि सस्ते दाम पर उनकी जमीनें हथिया ली जाएंगी।

अब क्या होगा ?

विधेयक तो पारित हो गया, लेकिन इसका विरोध अभी खत्म नहीं हुआ है। कांग्रेस सहित कई विपक्षी दलों ने यह साफ कर दिया है कि इस फैसले के खिलाफ वे सड़कों पर उतरेंगे। अब देखना यह होगा कि क्या सरकार अपने इस फैसले पर टिकी रहती है, या फिर किसानों के दबाव में आकर इसमें कोई बदलाव किया जाएगा,इस विधेयक को लेकर प्रदेशभर में किसानों और अन्य वर्गों के बीच चर्चा तेज हो गई है। आने वाले दिनों में यह मुद्दा और गर्मा सकता है।

भोपाल स्टेशन पर प्रदेश का पहला पॉड होटल तैयार

भोपाल (नप्र)। भोपाल रेलवे स्टेशन पर यात्रियों के आरामदायक ठहराव के लिए प्रदेश का पहला पॉड होटल पूरी तरह तैयार हो चुका है। रेलवे अधिकारियों

के अनुसार, इसका उद्घाटन 3 या 4 अप्रैल को होने की संभावना है। इस अवसर पर रेलवे के जीएम शोभना बंदोपाध्याय, डीआरएम देवाशीष त्रिपाठी सहित कई जनप्रतिनिधि मौजूद रहेंगे। भोपाल रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 6 पर यह पॉड होटल बनाया गया है, जिसमें दो तरह के पॉड उपलब्ध हैं, इसमें सिंगल और फैमिली पॉड शामिल हैं। अधिकारियों के अनुसार फिलहाल किराया तय नहीं हुआ है, अगले दो दिन में इसका किराया तय हो जाएगा।

क्या है पॉड होटल

पॉड होटल, जिसे कैप्सूल होटल भी कहा जाता है, जापान में विकसित किया गया था। इसमें छोटी-छोटी कैप्सूल नुमा इकाइयों में यात्रियों के ठहरने की सुविधा दी जाती है। यह उन यात्रियों के लिए आदर्श होता है जो किफायती दर पर ठहरने की सुविधा चाहते हैं। पॉड होटल में कम जगह में उच्च श्रेणी की सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं।

BSNL ने 17 साल बाद दर्ज किया 262 करोड़ का मुनाफा: केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने जताई खुशी

ग्वालियर। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने 17 साल बाद बीएसएनएल द्वारा 262 करोड़ का नेट प्रॉफिट हासिल करने पर खुशी जाहिर की है। इसके अलावा उन्होंने राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल और कनार्टक के उपमुख्यमंत्री के बयानों पर भी तीखा पलटवार किया है। केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने बढ़ते क्क्ष्ह्रुको लेकर कहा कि 17 सालों के बाद अक्टूबर दिसंबर के क्वार्टर में बीएसएनएल ने 262 करोड़ का मुनाफा यानी नेट प्रॉफिट कमाया है। यह एक ऐतिहासिक परिवर्तन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में संभव हो पाया है। बीएसएनएल अब अपनी सर्विस के साथ पर्याप्त रूप से उपभोक्ताओं को सेवा दे पा रही है।

सिंधिया ने कहा कि अभी हमारा 4त्न की 1 लाख साइट्स बनाने का लक्ष्य है, उसमें से 90000 साइट्स पर हमारे टावर खड़े हो चुके हैं, बाकी 10,000 साइट्स भी मई जून के महीने तक तैनात हो जाएंगी। जब यह तैयार हो जाएंगे तो हम 4त्न से 5त्न में परिवर्तित करने की प्रक्रिया भी शुरू करेंगे। हमें इस बात की भी खुशी है की सालों बाद बीएसएनएल के उपभोक्ताओं में भी एक नई ऊर्जा आई है। 8 करोड़ 65 लाख हमारे उपभोक्ता जून 2024 के महीने तक थे आज वह 9 करोड़ 10 लाख उपभोक्ता हो चुके हैं। ऐसे में 55 लाख उपभोक्ताओं में वृद्धि हुई है। एक-एक ग्रामीण और शहरी उपभोक्ता की सेवा हम कर पाए इस लक्ष्य की पूर्ति के लिए हम काम कर रहे हैं।

कपिल सिब्बल के ब्लॉक-अनब्लॉक वाले बयान पर सिंधिया का पलटवार

राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल के ब्लॉक-अनब्लॉक वाले बयान पर केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा कि जनता की सेवा में नहीं रहोगे तो जानता ही आपको ब्लॉक कर देती है। आपको बता दे कि राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने विपक्षी गठबंधन ढ्ढह्रष्ठ्ठ के रवैया और गुट में फूट पर सवाल उठाते हुए कहा था, कि ढ्ढह्रष्ठ्ठ को सार्वजनिक मंच पर गुट यानी ब्लॉक के रूप मे दिखना चाहिए न कि अनब्लॉक होना चाहिए। गुट में शामिल सभी विपक्षी दलो को एकजुट रहना ही होगा,उन्होंने यह बात दिल्ली विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और आप द्वारा एक दूसरे पर लगाए आरोपों के बाद मिली हार को लेकर कही थी।

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी शिव कुमार पर साधा निशाना

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी शिव कुमार के उस बयान पर भी पलटवार किया है जहां उन्होंने कहा है की ÷मुसलमानों के आरक्षण के लिए संविधान में संशोधन लाएंगे÷। इस पर सिंधिया ने कहा यही कठिनाई है कि जहां इंडी गठबंधन तुष्टिकरण की नीति के साथ चल रही है, वहीं प्रधानमंत्री और भारतीय जनता पार्टी संतुष्टीकरण की नीति के साथ चल रही है और देश के विकास प्रगति को आगे बढ़ाने के संकल्प के साथ काम कर रही है।

छावनी में सड़क चौड़ीकरण पर बवाल, व्यापारियों का विरोध तेज

190 मकानों पर मंडरा रहा बुलडोजर का खतरा

इंदौर। छावनी इलाके में सड़क चौड़ीकरण का काम शुरू होते ही व्यापारियों ने विरोध जताना शुरू कर दिया है। नगर निगम ने मधुमिलन चौराहे से अग्रसेन प्रतिमा तक 80 फीट चौड़ी सड़क बनाने की योजना बनाई है, लेकिन स्थानीय व्यापारी चाहते हैं कि यह सड़क सिर्फ 60 फीट चौड़ी हो। व्यापारियों ने विधायक गोलू शुक्ला से मदद मांगी, लेकिन उन्होंने मास्टर प्लान के अनुसार ही निर्माण करने की बात कहकर समर्थन देने से इनकार कर दिया। नगर निगम ने सेंट्रल लाइन डालने का काम पूरा कर लिया है, लेकिन अब मकानों पर निशान लगाने की प्रक्रिया शुरू होते ही लोगों में नाराजगी बढ़ गई है। योजना के अनुसार, करीब 190 मकानों के हिस्से तोड़े जाएंगे। व्यापारी इस बात को लेकर चिंतित हैं कि अगर सड़क की चौड़ाई कम नहीं की गई, तो कई लोगों को अपना मकान और दुकान का हिस्सा गंवाना पड़ेगा।

विधायक ने व्यापारियों की मांग ठुकराई, बोले- नियम से होगा निर्माण

सड़क चौड़ीकरण का विरोध करते हुए व्यापारियों ने विधायक गोलू शुक्ला से संपर्क किया और इस परियोजना में सड़क की चौड़ाई घटाने की मांग की। लेकिन विधायक ने साफ मना कर दिया और कहा कि निर्माण मास्टर प्लान के अनुसार ही होगा। उन्होंने समझाया कि अगर सड़क चौड़ी नहीं की गई, तो ट्रैफिक की समस्या और ज्यादा बढ़ेगी। विधायक से समर्थन न मिलने के बाद व्यापारियों ने अब महापौर पुष्यमित्र भार्गव और सांसद शंकर लालवानी के पास जाने की योजना बनाई है। इसके अलावा, व्यापारियों ने कोर्ट में याचिका दायर करने की भी तैयारी शुरू कर दी है। जहां भी सड़क चौड़ीकरण का काम शुरू होता है, वहां विरोध देखने को मिलता है। पहले भी सुभाष मार्ग और अन्य इलाकों में सड़क चौड़ीकरण की योजनाएं लोगों के विरोध के चलते अटक चुकी हैं। नगर निगम का मानना है कि अगर एक बार चौड़ाई कम करने का फैसला लिया गया, तो बाकी इलाकों में भी लोग यही मांग उठाने लगेंगे।

प्राचीन बावड़ियों का होगा कायाकल्प, जल्द शुरू होगा जीर्णोद्धार कार्य

इंदौर। शहर की 53 प्राचीन बावड़ियों को संवारने का कार्य अगले सप्ताह से शुरू होने जा रहा है। नगर निगम ने इस परियोजना के लिए ढाई करोड़ रुपये का बजट तय किया है, और टेंडर प्रक्रिया भी पूरी हो चुकी है। शहर में मौजूद अनेक प्राचीन बावड़ियां वर्षों से बदहाल पड़ी थीं। कई जगहों पर इनके आसपास अवैध कब्जे हो चुके हैं, कुछ स्थानों पर तो इन्हें पूरी तरह से ढक दिया गया है, जिससे इनके अस्तित्व का ही पता नहीं चलता। महापौर पुष्यमित्र भार्गव और निगमायुक्त शिवम वर्मा ने इस मामले को गंभीरता से लिया और बावड़ियों के पुनर्निर्माण और सफाई अभियान का आदेश दिया। नगर निगम द्वारा जिन 53 बावड़ियों का पुनरुद्धार किया जाएगा, उनमें गहरीकरण, सफाई, रंगाई-पुताई और सुरक्षा जालियां लगाने का कार्य शामिल होगा। साथ ही, लोगों को इनका महत्व समझाने के लिए जन जागरूकता अभियान भी चलाया जाएगा।

स्कूली बच्चों के जरिए जागरूकता अभियान- नगर निगम स्कूली बच्चों के माध्यम से स्वच्छता अभियान और नुक्कड़ नाटकों का आयोजन करवा रहा है, जिससे लोगों को इन बावड़ियों के संरक्षण का महत्व समझाया जा सके। नगर निगम के अधिकारियों ने प्रयागराज कुंभ से लाया गया पवित्र जल सभी बावड़ियों में डाला, जिससे लोगों में इन ऐतिहासिक जलस्रोतों के प्रति आस्था और जागरूकता बढ़े। नगर निगम अधिकारी रोहित बोयत ने बताया कि पहले चरण में शहर की प्रमुख और बड़ी बावड़ियों को संवारने का काम किया जाएगा। निगम की टीम लगातार मॉनिटरिंग करेगी और यह सुनिश्चित करेगी कि यह कार्य पूरी गुणवत्ता के साथ समय पर पूरा हो। यह अभियान इंदौर के ऐतिहासिक जल स्रोतों को संरक्षित करने और जल संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।

मोस्ट वांटेड ड्रग पेडलर गिरफ्तार, 1 करोड़ की एमडी ड्रग्स बरामद

इंदौर। पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए मोस्ट वांटेड ड्रग पेडलर वसीम उर्फ बाबा को गिरफ्तार किया है। आरोपी लंबे समय से गुजरात एटीएस, भोपाल क्राइम ब्रांच और इंदौर पुलिस के लिए सिरदर्द बना हुआ था। पुलिस ने उसके पास से 1 करोड़ रुपये की एमडी ड्रग्स बरामद की है। वसीम पर देशभर में 21 से ज्यादा अपराध दर्ज हैं, और उसकी गिरफ्तारी पर इनाम भी घोषित था। पुलिस चेकिंग के दौरान पकड़ा गया आरोपी डीसीपी विनोद मीणा ने बताया कि आजाद नगर पुलिस चेकिंग कर रही थी, तभी न्यू आरटीओ रोड पर स्कूटर पर सवार तीन संदिग्ध युवक पुलिस को देखकर घबरा गए और भागने लगे। शक होने पर पुलिस ने घेराबंदी कर उन्हें पकड़ लिया। जब उनकी तलाशी ली गई तो 100 ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद हुई।

मोस्ट वांटेड ड्रग पेडलर वसीम उर्फ बाबा गिरफ्तार

पूछताछ में आरोपियों ने अपने नाम वसीम उर्फ बाबा, अहमद हुसैन और राकेश शाह बताए। जब पुलिस ने इनके रिकॉर्ड खंगाले तो पता चला कि मुख्य आरोपी वसीम उर्फ बाबा मोस्ट वांटेड अपराधी है। वह गुजरात एटीएस, भोपाल क्राइम ब्रांच और आजाद नगर पुलिस से फरार चल रहा था। उसकी

गिरफ्तारी पर इनाम भी घोषित था। वसीम उर्फ बाबा पर देशभर में 21 से ज्यादा आपराधिक मामले दर्ज हैं। वह बड़े पैमाने पर ड्रग्स तस्करी से जुड़ा हुआ था। पुलिस को संदेह है कि उसके संपर्क कई अन्य बड़े ड्रग माफियाओं से भी जुड़े हो सकते हैं। फिलहाल, पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है ताकि ड्रग नेटवर्क का पूरा जाल उजागर किया जा सके। फिलहाल, पुलिस आरोपियों से कड़ी पूछताछ कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इनका नेटवर्क कहां तक फैला हुआ है। 1 करोड़ की ड्रग्स बरामदगी के बाद पुलिस और भी बड़े खुलासे होने की उम्मीद जता रही है।

समय सीमा में प्रकरणों के निराकरण में लापरवाही करने वाले 12 अधिकारियों-कर्मचारियों पर कार्रवाई

इंदौर। कलेक्टर आशीष सिंह ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि इंदौर जिले में सीएम हेल्पलाइन और लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत दर्ज मामलों का समय पर समाधान किया जाए ताकि किसी भी आवेदक को अनावश्यक परेशानी न उठानी पड़े उन्होंने कहा कि सभी मामलों का यथासंभव सकारात्मक निराकरण किया जाए और इसमें किसी भी तरह की लापरवाही या उदासीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी आयोजित बैठक में इन मामलों की समीक्षा के दौरान समय सीमा में प्रकरणों के निराकरण में लापरवाही बरतने वाले 12 अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की गई है इनमें से पांच अधिकारियों को शोकॉज नोटिस जारी किया गया जबकि सात के खिलाफ पेनल्टी लगाई गई है।

कलेक्टर की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में स्मार्ट सिटी के सीईओ दिव्यांक सिंह, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सिद्धार्थ जैन, अपर कलेक्टर गौरव बेनल, श्रीमती ज्योति शर्मा, राजेंद्र रघुवंशी, श्रीमती निशा डामोर सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

स्ट्रीट डॉग नियंत्रण के लिए विशेष अभियान- बैठक में कलेक्टर आशीष सिंह ने कहा कि शहर में स्ट्रीट डॉग की बढ़ती समस्या को देखते हुए इसके नियंत्रण के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा यह अभियान नगर निगम, पशुपालन एवं पशु चिकित्सा विभाग और अन्य संबंधित संस्थाओं के सहयोग से संचालित किया जाएगा छह महीने तक चलने वाले इस अभियान के तहत स्ट्रीट डॉग की नसबंदी और अन्य नियंत्रण उपाय किए जाएंगे ताकि शहर में इनकी बढ़ती संख्या को नियंत्रित किया जा सके। बैठक में अवैध बस स्टॉप पर भी चर्चा हुई कलेक्टर ने निर्देश दिए कि शहर में अनधिकृत रूप से खड़ी होने वाली बसों को व्यवस्थित किया जाए और उनके लिए चिन्हित स्थानों पर ही पार्किंग की व्यवस्था बनाई जाए। इन अधिकारियों पर हुई कार्रवाई सीएम हेल्पलाइन के तहत दर्ज मामलों के निराकरण में लापरवाही पाए जाने पर तीन अधिकारियों को शोकॉज नोटिस जारी किया गया।

बिजली होगी महंगी ! अप्रैल से बढ़ेगी दरें, उपभोक्ताओं पर बढ़ेगा बोझ

इंदौर। प्रदेशभर में बिजली उपभोक्ताओं को अप्रैल से बिजली की बढ़ी हुई दरों का झटका लग सकता है। इंदौर सहित प्रदेश की तीनों बिजली कंपनियों ने 7.52 फीसदी टैरिफ बढ़ाने का प्रस्ताव नियामक आयोग के समक्ष रखा था, जिसकी मंजूरी इसी हफ्ते मिलने की संभावना है। कंपनियों ने 1618 करोड़ रुपये के घाटे का हवाला देकर दरें बढ़ाने की मांग की थी, जबकि जानकारों का कहना है कि घाटे के आंकड़े बढ़ा-चढ़ाकर पेश किए गए हैं। बिजली कंपनियां हर साल घाटे की भरपाई के नाम पर दरें बढ़ा लेती हैं। इस बार भी कंपनियों ने 54637 करोड़ के राजस्व अनुमान में 4107 करोड़ का घाटा दर्शाया है, जिसे टैरिफ बढ़ाकर पूरा करने की योजना बनाई गई है। इंदौर की पश्चिमी क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने 23132 करोड़ रुपये के राजस्व की जरूरत बताई है, जबकि उसे बिजली बिक्री से 21514 करोड़ रुपये ही मिलते हैं। यानी 1618 करोड़ रुपये का घाटा केवल इंदौर क्षेत्र में ही है।

हर श्रेणी के उपभोक्ताओं को झेलनी पड़ेगी महंगाई

अगर नियामक आयोग ने 7.52त्न टैरिफ वृद्धि को मंजूरी दी, तो अप्रैल से घरेलू, व्यावसायिक, औद्योगिक, कृषि और सार्वजनिक उपयोग की बिजली महंगी हो जाए, घरेलू उपभोक्ताओं से ही कंपनियों को 988 करोड़ रुपये की अतिरिक्त आय होगी। गैर-घरेलू उपभोक्ताओं से 218 करोड़, जल प्रदाय और स्ट्रीट लाइटों से 104 करोड़, निम्न दबाव उद्योगों से 62 करोड़, और कृषि उपभोक्ताओं से 1500 करोड़ रुपये की वसूली होगी।

कोयला खदान, शॉपिंग मॉल और अन्य बड़े उपभोक्ताओं पर भी टैरिफ वृद्धि का असर पड़ेगा। अब 151-300 यूनिट तक की टैरिफ श्रेणी को घटाकर 150 यूनिट तक सीमित किया जा सकता है। यानी 150 यूनिट से ज्यादा बिजली जलाने वाले उपभोक्ताओं को ज्यादा बिल चुकाना पड़ेगा। स्मार्ट मीटर वाले उपभोक्ताओं के लिए नई व्यवस्था जिन उपभोक्ताओं के स्मार्ट मीटर लगे हैं, उन्हें सुबह 9 से शाम 5 बजे तक बिजली खपत पर 20त्न की छूट देने का प्रस्ताव रखा गया है।

अवैध गतिविधियों पर कड़ी कार्रवाई के लिए कलेक्टर ने गठित किए विशेष दल

ध्वनि प्रदूषण, अवैध शराब, मिलावटी खाद्य सामग्री व अन्य अवैध गतिविधियों पर कसेगा शिकंजा

इंदौर। जिले में अवैध गतिविधियों पर प्रभावी रोक लगाने और प्रतिबंधात्मक आदेशों का सख्ती से पालन सुनिश्चित कराने के लिए कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री आशीष सिंह ने विशेष दल गठित किए हैं यह दल भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा-163 के तहत जारी प्रतिबंधात्मक आदेशों सहित बाल श्रम की रोकथाम आबकारी अधिनियम ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण गुमाश्ता एक्ट खाद्य अपमिश्रण तथा पब/बार एवं अन्य संस्थानों के समय पर बंद होने जैसे नियमों का सख्ती से पालन कराएंगे । इन दलों का नेतृत्व अनुविभागीय दंडाधिकारी (एसडीएम) करेंगे और उनके साथ खाद्य सुरक्षा अधिकारी स्थानीय थाने के प्रभारी मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी भी शामिल रहेंगे एसडीएम आकस्मिक निरीक्षण करेंगे और अनियमितता पाए जाने पर तत्काल वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे। समस्त अनुविभागीय दंडाधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में यह भी सुनिश्चित करेंगे कि किसी भी प्रकार से अवैध शराब का क्रय-विक्रय न हो इसके लिए वे आबकारी अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर नियमित जांच अभियान चलाएंगे इसके अलावा खाद्य सुरक्षा को लेकर खाद्य सामग्री की समय-समय पर सैंपलिंग कर जाँच हेतु नमूने भेजे जाएंगे और अनियमितता पाए जाने पर संबंधित विभाग नियमानुसार कार्रवाई करेगा। इन विशेष उड़न दस्तों को निर्देश दिए गए हैं कि किसी भी शिकायत या जांच के आदेश मिलने पर अधिकतम तीन दिनों के भीतर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करें अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी इस अभियान के नोडल अधिकारी रहेंगे और सभी जांच रिपोर्ट जिला स्तर पर संकलित कर आगामी कार्यवाही की जाएगी7

रणजीत टाइम्स
साप्ताहिक अख़बार

निवेश मंत्रा: बाजार की तेजी अस्थायी, ब्लूचिप पर ही रखें भरोसा; म्यूचुअल फंड वित्तीय लक्ष्य पाने में सहायक

नई दिल्ली, एजेंसी। पिछले कुछ महीनों से इक्विटी बाजार में अस्थिरता का माहौल है, जिससे लार्ज, मिड और स्मॉलकैप इंडेक्स में भारी गिरावट देखी गई है। इस गिरावट के बावजूद कई सेगमेंट लंबे समय के निवेश के लिए आकर्षक अवसर प्रदान कर रहे हैं। निवेशकों को म्यूचुअल फंड के जरिये इस समय बाजार में निवेश पर ध्यान देना चाहिए। कम अस्थिरता बड़े निवेशकों और थोड़ा जोखिम लेने वालों के लिए लार्जकैप फंड स्थिर निवेश विकल्प साबित होते हैं।

वित्तीय लक्ष्य पाने में सहायक म्यूचुअल फंड- बड़े निवेशकों के लिए मजबूत प्रदर्शन वाले आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल ब्लूचिप जैसे लार्जकैप फंड बेहतर विकल्प साबित हो सकते हैं। बाजार में मौजूदा अस्थिरता के बावजूद यह ब्लूचिप फंड निवेशकों के लिए आकर्षक और सुरक्षित विकल्प बना हुआ है। लार्जकैप में मजबूत पकड़ और वर्षों से स्थिर प्रदर्शन इसे निवेशकों की पहली पसंद बनाता है। एसआईपी के जरिये निवेश करने पर यह आपके वित्तीय लक्ष्यों को आसानी से पाने में सहायक हो सकता है।

85 फीसदी तक निवेश लार्जकैप शेयरों में

ब्लूचिप फंड का 80-85 फीसदी तक निवेश लार्जकैप शेयरों में किया जाता है। 5-10 फीसदी निवेश मिडकैप सेक्टर में होता है। प्रमुख सेक्टरों में बैंकिंग, आईटी, पेट्रोलियम, ऑटोमोबाइल और कंस्ट्रक्शन प्रोजेक्ट्स शामिल हैं।

फंड हाउस कमजोर क्षेत्रों जैसे एफएमसीजी और सीमेंट सेक्टर में न्यूनतम निवेश करता है।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल ब्लूचिप फंड ने सात से 10 वर्षों की अवधि में औसत से अधिक रिटर्न दिया है।

आज से शुरू होगा पुस्तक मेला, 5 अप्रैल तक मिलेगा फायदा

जबलपुर। कलेक्टर दीपक कुमार सक्सेना ने 25 मार्च से 5 अप्रैल तक एक विशाल पुस्तक मेले का आयोजन किया है, जिसमें निजी और सरकारी स्कूलों की किताबें, स्टेशनरी, और ड्रेस सस्ते दामों पर उपलब्ध होंगी। इस मेले में लगभग 60 से अधिक स्टॉल लगाए जाएंगे, जिनमें जिले के बाहर के विक्रेता भी भाग ले सकेंगे। इससे अभिभावकों को अधिक विकल्प मिलेंगे और किताबों, स्टेशनरी और ड्रेस की कीमतें भी उचित रहेंगी।

क्यों पड़ी पुस्तक मेले की जरूरत?

पिछले साल जबलपुर कलेक्टर ने निजी स्कूलों की मनमानी पर कड़ी कार्रवाई की थी। जांच में पाया गया कि कई स्कूल अभिभावकों को महंगी किताबें और ड्रेस खरीदने के लिए मजबूर कर रहे थे। कुछ स्कूलों ने चुनिंदा दुकानों से ही स्टेशनरी और ड्रेस खरीदने का नियम बना रखा था, जिससे माता-पिता को आर्थिक रूप से नुकसान हो रहा था। इसी समस्या को दूर करने के लिए इस बार कलेक्टर ने पुस्तक मेले का आयोजन किया है, ताकि माता-पिता को सस्ती और वैकल्पिक किताबें मिल सकें।

पुस्तक मेले में क्या-क्या होगा?- सस्ती किताबें, स्टेशनरी और ड्रेस- सभी स्कूलों के सिलेबस की किताबें और स्टेशनरी किफायती दामों पर उपलब्ध रहेंगी।

मुफ्त काउंसलिंग- बच्चों और अभिभावकों के लिए फ्री काउंसलिंग भी होगी, जिससे वे सही किताबों और पढ़ाई के तरीकों की जानकारी ले सकेंगे। पुस्तक बैंक- पुरानी किताबें दान करने की सुविधा होगी, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों को सहायता मिल सके।

कल्चरल कार्यक्रम- इस मेले को और आकर्षक बनाने के लिए प्रशासन की ओर से सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

फूड स्टॉल- खरीदारी के दौरान लोगों के लिए खाने-पीने की भी व्यवस्था रहेगी।

भारत ने चीन के 5 प्रोडक्ट्स पर 5 साल के लिए डंपिंग रोधी शुल्क लगाया

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने घरेलू कंपनियों को चीन से आने वाले सस्ते आयात से बचाने के लिए चीन के पांच उत्पादों पर डंपिंग-रोधी शुल्क लगाया है। यह शुल्क पांच साल के लिए लगाया गया है। वाणिज्य मंत्रालय की जांच इकाई डीजीटीआर की सिफारिश के बाद यह फैसला लिया गया। जांच इकाई ने पाया कि इन उत्पादों को सामान्य से कम कीमतों पर चीन से आयात कर भारत में डंप किया जा रहा है। इन उत्पादों में सॉफ्ट फेराइट कोर, वैक्यूम इंसुलेटेड फ्लास्क, एल्युमीनियम फॉयल, ट्राइक्लोरो आइसोसायन्यूरिक एसिड और पॉली विनाइल क्लोराइड शामिल हैं। एल्युमीनियम फॉयल पर छह माह के लिए अस्थायी रूप से 873 डॉलर प्रति टन का डंपिंग रोधी शुल्क जबकि शेष उत्पादों पर यह 276 डॉलर से लेकर 1732 डॉलर प्रति टन तक है।

घरेलू उद्योगों को बचाने की तैयारी- टैरिफ विवाद के बीच भारत घरेलू उद्योग से जुड़ी चुनौतियों और चिंताओं को दूर करने की दिशा में कदम उठा रहा है। स्टील पर 12 फीसदी सेफगार्ड ड्यूटी (सुरक्षा शुल्क) लगाए जाने के बाद अब भारत ने चीन से आयात होने वाले पांच उत्पादों पर डंपिंग रोधी शुल्क लगाने का फैसला लिया है। विशेषज्ञों का कहना है कि इस फैसले से घरेलू उद्योगों को बचाने में मदद मिलेगी।

दरअसल, अमेरिका द्वारा लगाए जा रहे टैरिफ के बाद आंशका जताई जा रही थी कि चीन समेत बाकी देश सस्ती दरों पर भारत में अपने उत्पादों की सप्लाई करेंगे, जिससे घरेलू उद्योग प्रभावित होंगे। ऐसे में सरकार ने पहले स्टील के आयात पर 12 प्रतिशत का सुरक्षा शुल्क लगाने का फैसला लिया। अब डीजीटीआर की सिफारिश पर पांच अन्य चीनी उत्पादों पर पांच साल तक डंपिंग रोधी शुल्क लगाने का फैसला लिया गया है।

क्या है चीन की नीति- बीते कुछ वर्षों से देखा गया है कि चीन विश्व व्यापार संगठन की शर्तों के खिलाफ जाकर व्यापार करता है।

क्यों जरूरी है यह फैसला

सीआईआई एमएसएमई राष्ट्रीय परिषद के सह-अध्यक्ष अशोक सहगल का कहना है कि भारत सरकार के इस फैसले से देश के छोटे-मझोले (एमएसएमई) उद्योगों को सबसे ज्यादा लाभ होगा। भारत में इन उत्पादों का 80 से 90 फीसदी हिस्सा इन उद्योगों में तैयार होता है। डंपिंग रोधी शुल्क लगने से यहां तैयार उत्पादों के दाम नहीं गिरेंगे। चीनी उत्पाद को बढ़ावा कम होगा।

क्या होता है डंपिंग रोधी शुल्क

जब कोई देश अपने उत्पाद को कम कीमत पर दूसरे देश को निर्यात करता है, तो उसे डंपिंग करना कहा जाता है। जिस देश में डंपिंग (निर्यात) किया जा रहा है, वहां बनने वाले उत्पाद पर इसका असर पड़ता है। इससे घरेलू बाजार में दूसरे देश से आने वाले उत्पाद की कीमत कम हो जाती है और इसका असर घरेलू ब्रांड की बिक्री पर पड़ता है।

अंडे बेचकर बनाया 200 करोड़ रुपये का कारोबार

नई दिल्ली, एजेंसी। आईआईटी ग्रेजुएट तीन दोस्तों ने अंडे बेचकर करोड़ों रुपये का कारोबार खड़ा कर दिया है। इन दोस्तों के नाम अभिषेक नेगी, आदित्य सिंह और उत्तम कुमार हैं। इनके कारोबार का नाम एगोज है। एगोज का दावा है कि उनकी कंपनी ताजे और केमिकल फ्री अंडे बेचती है। एगोज आज रोजाना 6 लाख अंडे बेचती है। हालांकि 200 करोड़ रुपये के कारोबार तक पहुंचना इसके लिए इतना आसान भी नहीं रहा।

अभिषेक, आदित्य और उत्तम ने महसूस किया कि बाजार में मिलने वाले ज्यादातर अंडे ताजे और अच्छी क्वालिटी के नहीं होते हैं। कुछ रिसर्च करने पर उन्होंने पाया कि अंडे का कारोबार व्यवस्थित नहीं है। साथ ही बाजार में बिकने वाले अंडों पर गंदगी लगी होती है। ऐसे में इन्होंने इस इंडस्ट्री को बदलने का फैसला किया और एगोज ब्रांड शुरू किया।

अंडे में जरूरी पोषक तत्व- 32 साल के अभिषेक नेगी आईआईटी खड़गपुर से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में ग्रेजुएट हैं। उन्होंने पहले रोडर नाम से एक ट्रैवल कंपनी शुरू की थी।

इससे उन्हें कारोबार करने का अनुभव मिला। अब वे कुछ और करना चाहते थे। उन्होंने आदित्य और उत्तम के साथ मिलकर भारत में प्रोटीन और पोषण की कमी को दूर करने का फैसला किया। वह नौकरी छोड़ अंडे के कारोबार में उतर आए।

अंडे का ही कारोबार क्यों?

अभिषेक कहते हैं कि उन्होंने अंडे पर ध्यान इसलिए दिया क्योंकि यह जरूरी पोषक तत्वों का एक भरोसेमंद स्रोत है। लेकिन भारत का अंडे का कारोबार व्यवस्थित नहीं है। अभिषेक बताते हैं कि अंडे खुले में बेचे जाते हैं। उनमें से अक्सर बदबू आती है और वे गंदगी से सने होते हैं। वे बताते हैं कि इस कारोबार में कई कमियां हैं। जैसे कि कोई तय नियम नहीं हैं, तरीके सुरक्षित नहीं हैं और मुर्गियों को केमिकल वाला खाना खिलाया जाता है।

कैसे की एगोज की शुरुआत?

अभिषेक बताते हैं कि जब उन्होंने कंपनी शुरू की तो उन्हें मुर्गी पालन के बारे में कुछ नहीं पता था। आदित्य ने बताया कि उनके पास इससे संबंधित कोई भी जानकारी नहीं थी।

इस कमी को दूर करने के लिए उन्होंने अपनी शुरुआती रकम बिहार में 2017 में 12,000 मुर्गियों का फार्म बनाने में लगा दी। आदित्य बताते हैं कि उत्तम का परिवार बिहार के पास एक दूरदराज गांव में रहता था। इसलिए उन्होंने अपनी अच्छी नौकरी छोड़कर गांव वापस जाने का फैसला किया। उन्होंने तीन साल तक मुर्गी पालन की बारीकियों को सीखा। उन्होंने किसानों की समस्याओं को समझा। अनुभव और अपनी तकनीक, मुर्गियों की नस्ल और खाने के विज्ञान की मदद से उन्होंने 2020 में अपना ब्रांड लॉन्च किया।

किसानों को दिए टिप्स

अभिषेक ने बताया कि उन्होंने मुर्गियां पालने वाले किसानों को भी अपने कारोबार में लगाया। उन्हें ऐसे कई टिप्स दिए जो मुर्गियों और अंडों की अच्छी क्वालिटी को बनाए रखते थे। उन्होंने मुर्गियों को हर्बल खाना खिलाने की भी सलाह दी। इसका नतीजा भी अच्छा आया। आदित्य बताते हैं कि आज एगोज ब्रांड के अंतर्गत हर अंडा 11 सुरक्षा जांच से गुजरता है। इसके बाद ही ग्राहक तक पहुंचता है।

करोड़ों रुपये का रेवेन्यू

एगोज ब्रांड के अंतर्गत अंडे सिर्फ पैकेट में बेचे जाते हैं। इससे अंडे ताजे और साफ रहते हैं। वे हर दिन 5000 दुकानदारों को छह लाख अंडे बेचते हैं। पिछले साल इनका रेवेन्यू 100 करोड़ रुपये का था। अभिषेक का दावा है कि उनका कारोबार हर साल दोगुना बढ़ रहा है। ऐसे में माना जा रहा है कि इस साल यह बढ़कर दोगुना यानी 200 करोड़ रुपये पर पहुंच सकता है। इनका लक्ष्य इस कारोबार में 1000 करोड़ रुपये कमाना है।

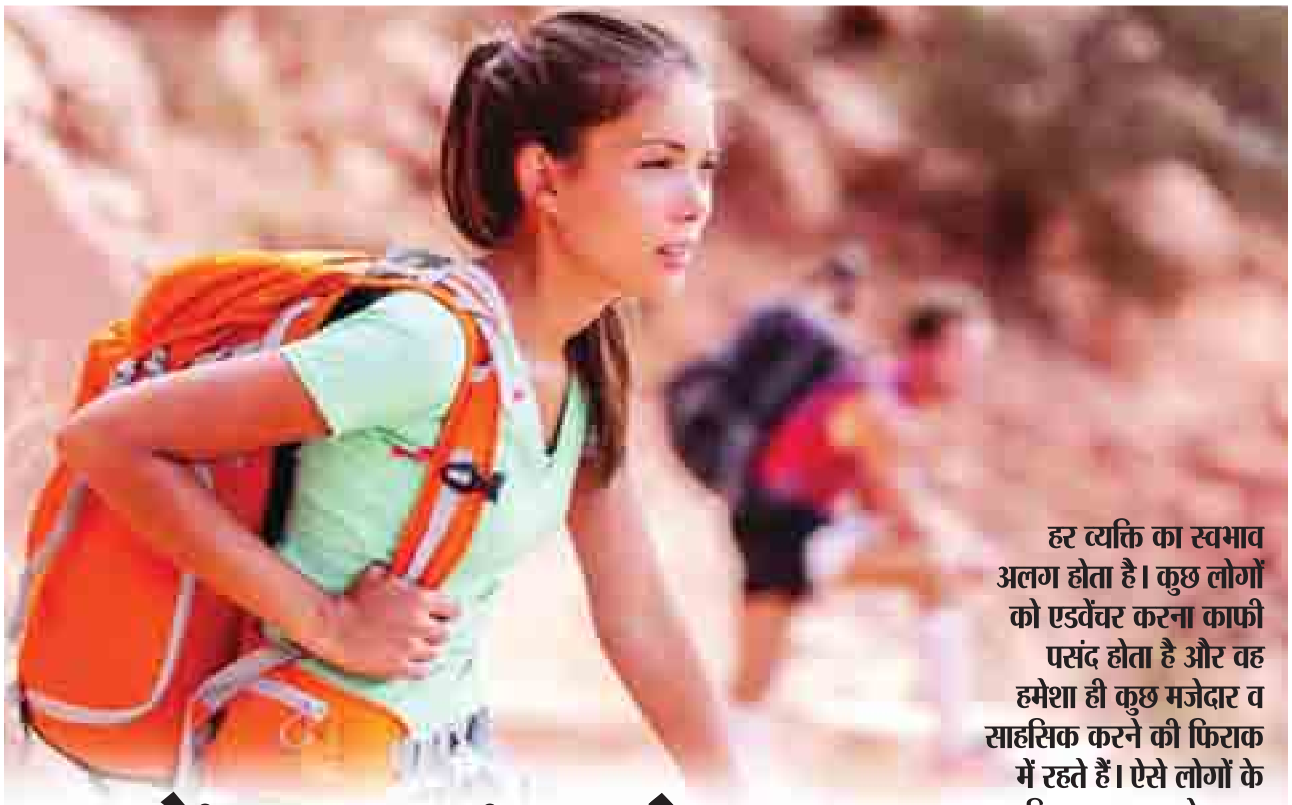

एडवेंचर पसंद लोग कर सकते हैं यह चार तरह की एयर एक्टिविटी

हर व्यक्ति का स्वभाव अलग होता है। कुछ लोगों को एडवेंचर करना काफी पसंद होता है और वह हमेशा ही कुछ मजेदार व साहसिक करने की फिराक में रहते हैं। ऐसे लोगों के लिए तरह-तरह के एयर स्पोर्ट्स करना एक अलग अनुभव हो सकता है। खासतौर पर, अगर आप पूरे सप्ताह काम करने के बाद वीकेंड पर खुद को एक बार फिर से रिचार्ज करना चाहती हैं और कुछ नया करने की इच्छा रखती हैं तो ऐसे में आपको इन एयर स्पोर्ट्स को एक बार जरूर आजमाना चाहिए।

एक क्लिप से कूदना, रस्सियों से लटकना और कुछ कैनवास की मदद से हवा में उड़ने का अपना एक अलग ही आनंद होता है। अगर आप अपने जीवन में कुछ अलग व यादगार करना चाहते हैं तो यह एयर स्पोर्ट्स यकीनन आपको निराश नहीं करेंगे। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसी ही एयर स्पोर्ट्स एक्टिविटीज के बारे में बता रहे हैं, जो आपके सपनों व जीवन जीने के तरीके को एक पंख देंगे-

पैराग्लाइडिंग का उठाएं लुत्फ

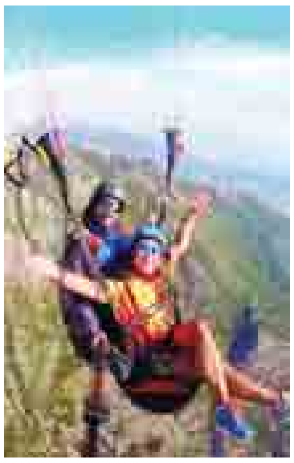

अगर आप एयर स्पोर्ट्स के जरिए एक असीम सुकून व आनंद का अनुभव करना चाहती हैं तो ऐसे में पैराग्लाइडिंग को एक बार जरूर आजमाएं। भले ही आप एक बिगनर है, लेकिन फिर भी पैराग्लाइडिंग का आनंद लिया जा सकता है, क्योंकि इसमें आपको असिस्ट करने के लिए एक एक्सपर्ट साथ में होता है। भारत में, कई स्कूल और फ्लाइंग क्लब पैराग्लाइडिंग और अन्य एयरोस्पोर्ट पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं। यह एयर एक्टिविटी भारत में बेहद पॉपुलर है और वर्तमान में कई हॉलिडे डेस्टिनेशन में पैराग्लाइडिंग करने की सुविधा मौजूद है। आप हिमाचल प्रदेश, जम्मू, उत्तराखंड व महाराष्ट्र आदि जगहों पर पैराग्लाइडिंग का अनुभव कर सकते हैं।

विंगसूट फ्लाइंग

विंगसूट फ्लाइंग एक खतरनाक एक्टिविटी है जिसमें विशेष रूप से डिजाइन किए गए जंपसूट के उपयोग की आवश्यकता होती है जिसे विंगसूट या बर्डमैन सूट के रूप में जाना जाता है। इस जंपसूट में दो आर्म विंग और एक लेग विंग होता है। विंगसूटर आगे की गति, दिशा और लिफ्ट को नियंत्रित करने के लिए अपने शरीर का उपयोग करता है। हालांकि, विंगसूट फ्लाइंग करना हर किसी के लिए संभव नहीं हो सकता है और इसके लिए पर्याप्त प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है। फिलहाल भारत में विंगसूट फ्लाइंग अभी उतनी पॉपुलर नहीं हुई है।

स्काई डाइविंग

अन्य एयर स्पोर्ट्स की तुलना में स्काई डाइविंग यकीनन अधिक रिस्की है। इसे पैराशूटिंग भी कहा जाता है, जिसमें हवाई जहाज से लोग कूदते हैं और जमीन से हजारों फीट की ऊंचाई पर एक अलग ही एडवेंचर का अनुभव होता है। यह एक ऐसा एयर स्पोर्ट्स है, जो पिछले कुछ वक्त में काफी पॉपुलर हुआ है। आप मैसूर, पुडुचेरी, हैदराबाद, अलीगढ़ जैसी जगहों पर स्काई डाइविंग का लुत्फ उठा सकती हैं।

करें हॉट एयर बैलून राइड

हॉट एयर बैलूनिंग सबसे एडवेंचर्स स्पोर्ट्स में से एक है जो आपको जमीन से कई फीट ऊंचाइयों तक ले जाकर आसपास के नजारों को एक नए तरीके से दिखाता है। हालांकि भारत में, एक एडवेंचर्स एक्टिविटी के रूप में हॉट एयर बैलूनिंग अभी भी अपनी प्रारंभिक अवस्था में है। लेकिन फिर भी रोमांच पसंद लोग इसका आनंद उठाना पसंद करते हैं। अगर आप भारत में रहकर हॉट एयर बैलून का मजा उठाना चाहते हैं तो आपको राजस्थान की यात्रा करनी चाहिए। खासतौर से, पुष्कर ऊंट उत्सव के दौरान हॉट एयर बैलूनिंग राजस्थान एक्टिविटी के मुख्य आकर्षणों में से एक है। राजस्थान, द रॉयल स्टेट ऑफ इंडिया भारत में हॉट एयर बैलूनिंग के लिए सबसे अच्छी जगहों में से एक है।

इन चीजों से अपने फॉर्मल लुक को बनाएं स्टाइलिश

कैजुअल और पार्टी वियर लुक में जान डालने के लिए तो हमारे पास कई विकल्प होते हैं, लेकिन जब बात आती है फॉर्मल लुक की तो समझ नहीं आता कि क्या पहनें!

जॉब करने वाली लड़कियों के पास एक्सपेरिमेंट करने के लिए बहुत कम स्कोप होता है। क्योंकि फॉर्मल के साथ अगर आप कुछ भी उल्टा सीधा पहनेंगी तो एक तो आपको ऑफिस में टोक दिया जाएगा और दूसरा आप हंसी का पात्र भी बन सकती हैं। इसी डर के कारण लड़कियां फॉर्मल लुक के साथ ज्यादा छेड़छाड़ नहीं करती हैं। लेकिन आपको यह बता दें कि अगर एक बार आपको स्टाइल की नॉलेज हो जाए तो आप अपने फॉर्मल लुक को भी कूल और स्टाइलिश बना सकती हैं। आज इस आर्टिकल में हम आपको कुछ ऐसी एक्सेसरीज के बारे में बता रहे हैं जिन्हें कैरी कर के आप अपनी बोरिंग सी ड्रेस में भी जान डाल सकती हैं।

क्राउन स्टाइल हेयरबैंड

हेयर एक्सेसरीज पहनकर भी आप अपने फॉर्मल लुक को सबसे अलग दिखा सकती हैं। सबसे अच्छी बात यह है कि इसके लिए आपको कोई टोकेगा भी नहीं। हेयर एक्सेसरीज में आजकल क्राउन स्टाइल हेयरबैंड ट्रेंड में है, जैसे कि सेलिब्रिटी फैशन डिजाइनर विभु महापात्र का लेटेस्ट कलेक्शन। इस तरह के हेयरबैंड आपको किसी भी मार्किट में मिल जाएंगे।

रिस्ट वॉच

अगर आपको यह लग रहा है कि अब रिस्ट वॉच फैशन में नहीं है तो हम आपको यह क्यों सजेस्ट कर रहे हैं! तो बता दें कि फॉर्मल ड्रेस के साथ रिस्ट वॉच हमेशा से फैशन का हिस्सा रही है। अगर आप फिल्मों में किसी एक्ट्रेस को फॉर्मल लुक में दिखेंगी तो वह भी रिस्ट वॉच ही कैरी करती हैं। इसलिए अगर आप भी अपने फॉर्मल लुक को बोल्ड और स्टाइलिश बनाना चाहती हैं तो रिस्ट वॉच पहनें।

फुटवियर और हैंडबैग

फुटवियर और हैंडबैग ऐसी चीजें हैं जिन्हें फॉर्मल लुक के साथ बहुत सोच समझकर चुनना चाहिए। अगर फुटवियर की बात करें तो आप अपने लुक को अट्रैक्टिव बनाने के लिए हील्स वाली सैंडल पहन सकती हैं। लेकिन ध्यान रहे हमेशा कम्फरटेबल हील्स ही पहनें। वहीं, आजकल लॉन्ग बैग फैशन में हैं, आप इन्हें भी पहन सकती हैं।

नेकपीस

अपने ऑफिस लुक को क्लासी और स्टाइलिश बनाने के लिए आप फॉर्मल के साथ नेकपीस कैरी कर सकती हैं। आजकल मिनिमल ज्वैलरी ट्रेंड में हैं, ये ऑफिस के लिए एकदम बेस्ट हैं। ये शर्ट और ड्रेस हर किसी के साथ जचते हैं। आप गोल्ड या प्लेटिनम वाली छोटे पैंडल की नेकपीस भी पहन सकती हैं।

सनग्लासेज

सनग्लासेज भी आपके फॉर्मल लुक में चार चांद लगाते हैं इसलिए इन्हें भी आप अपने फेस के अनुसार सही शेप और कलर में कैरी कर सकती हैं। साथ ही आजकल फैंसी स्टाइल में नजर के चश्मे भी आ रहे हैं। आप ऑफिस में पूरे टाइम इन्हें पहनकर भी खूबसूरत दिख सकती हैं। कहने का मतलब यह है कि सनग्लासेज कैरी कर के भी आप अपने फॉर्मल लुक में जान डाल सकती हैं।

दिल्ली में बजट से पहले सीएम रेखा गुप्ता ने बनाई खीर

खुद भगवान राम को लगाया भोग

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली का बजट सत्र आज से शुरू हो रहा है। इसके लिए पहली बार दिल्ली विधानसभा में 'खीर सेरेमनी' का आयोजन किया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने खुद अपने हाथ से खीर बनाकर सबसे पहले भगवान राम को भोग भी लगाया। इस 'खीर सेरेमनी' के दौरान तमाम मंत्री, विधायक और विधानसभा के अधिकारी भी मौजूद रहे।

दिल्ली विधानसभा का पांच दिवसीय बजट सत्र सोमवार को खीर सेरेमनी के साथ शुरू हो गया। इस मौके पर भाजपा नेताओं ने कहा कि मिठास प्रगति का प्रतीक है । मुख्यमंत्री पद के साथ वित्त विभाग भी संभाल रहीं रेखा गुप्ता 27 साल बाद दिल्ली में भाजपा सरकार का पहला बजट पेश करेंगी।

इस दौरान सीएम रेखा गुप्ता ने वहां उपस्थित लोगों से कहा, यह लगभग वैसा ही है जैसे भगवान राम 14 साल बाद लौटे हों और यह सरकार 27 साल बाद लौटी हो। भगवान राम को भोग लगाकर हमने इस बजट को दिल्ली के विकास के लिए खीर की मिठास से जोड़ा है। दिल्ली के इतिहास में पहली बार इस खीर समारोह के माध्यम से इस बजट से जुड़े समाज के सभी वर्गों- जिन्हें दिल्ली सरकार और उसके बजट से उम्मीदें और अपेक्षाएं हैं- को शामिल किया गया है।

मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि बजट सत्र का ऐतिहासिक महत्व है। उन्होंने कहा कि आज, व्यवसायी, ऑटो चालक, दलित भाई-बहनों सहित विविध पृष्ठभूमि के लोग एक साथ 'खीर' खाएंगे। बजट कल पेश किया जाएगा।

भाजपा नेता सतीश उपाध्याय ने मुख्यमंत्री को शुभकामनाएं दीं और कहा कि बजट दिल्ली के लिए प्रगति का संदेश है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सीएम गुप्ता ने महिलाओं और युवाओं से लेकर व्यवसायियों और कॉलोनियों के निवासियों तक के व्यापक लोगों से बात की है और बजट को आकार देने के लिए सुझाव एकत्र किए हैं। उन्होंने कहा कि मिठास प्रगति का प्रतीक है। मुख्यमंत्री संदेश दे रही हैं कि दिल्ली का विकास पटरी पर है। यह बजट महिलाओं, युवाओं, व्यापारियों और यहां तक कि कॉलोनी निवासियों की आवाज को दर्शाता है, यह सुनिश्चित करता है कि उनकी राय प्रक्रिया का हिस्सा हो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हम समावेशी प्रगति के लिए प्रतिबद्ध हैं।

बता दें कि, पिछले महीने हुए दिल्ली विधानसभा चुनावों में भाजपा 27 साल बाद दिल्ली की सत्ता में लौटी है। 70 सीटों वाली विधानसभा में भाजपा के 48 और 'आप' के 22 विधायक चुनकर आए हैं।

दिल्ली में बिना हेलमेट बाइक-स्कूटी चलाने वाले सावधान, सख्त ऐक्शन लेगी पुलिस; लाइसेंस तक होगा कैंसिल

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की सड़कों पर अब बिना हेलमेट वाहन चलाना भारी पड़ सकता है। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस को हेलमेट संबंधी उल्लंघनों पर सख्त कार्रवाई करने के लिए कहा गया है, जिसमें ड्राइविंग लाइसेंस को अयोग्य या रद्द घोषित करना और चालान काटना शामिल है। ये निर्देश पिछले महीने के अंत में एडिशनल पुलिस कमिश्नर (ट्रैफिक हेडक्वार्टर) सत्य वीर कटारा ने सभी ट्रैफिक कर्मियों को एक सर्कुलर भेजा है। जिसमें दोपहिया वाहन चालकों पर कार्रवाई तेज करने के संबंध में निर्देश जारी किए गए हैं।

अधिकारियों के अनुसार, पिछले साल सड़क दुर्घटनाओं में लगभग 40 प्रतिशत मौतें दोपहिया वाहन सवारों की हुई थीं। राजधानी में हुई दुर्घटनाओं में 611 वाहन चालक मारे गए और 2,233 घायल हुए। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस के आंकड़ों के अनुसार, पिछले साल सड़क दुर्घटनाओं में कुल 1,551 लोगों की जान चली गई। एडिशनल पुलिस कमिश्नर (यातायात) दिनेश कुमार गुप्ता ने कहा, दोपहिया वाहन सवारों की मौत के कारणों का विश्लेषण करने पर पता चला कि उनमें से कई या तो बिना हेलमेट के थे या उन्होंने ठीक से हेलमेट नहीं पहना था, जिसके कारण उन्हें सिर पर गंभीर चोटें आईं। हेलमेट की खराब गुणवत्ता भी मौतों का एक और कारण थी। यातायात फ्लो के विपरीत चलना, तेज गति से वाहन चलाना और लाल बत्ती पार करना ऐसे सवारों की मौत और चोटों के दूसरे कारण थे। मोटर वाहन (एमवी) अधिनियम की धारा 129 के अनुसार, चार साल से ज्यादा उम्र के प्रत्येक व्यक्ति को, जो दोपहिया वाहन चला रहा है या उस पर सवार है, सार्वजनिक स्थान पर अच्छी गुणवत्ता वाला सुरक्षात्मक हेडगियर पहनना अनिवार्य है। कटारा ने सर्कुलर में कहा, नियमों के अनुसार, हेलमेट नियमों का उल्लंघन करने पर 1,000 रुपए का जुर्माना लगता है। दिल्ली यातायात पुलिस के हेड कांस्टेबल और उससे ऊपर रैंक के अधिकारी अपराध को कम करने के लिए अधिकृत हैं। एमवी अधिनियम की धारा 206 की उप-धारा 4 के अनुसार, अपराधी/चालक का लाइसेंस जब्त किया जा सकता है और धारा 19 के तहत अयोग्यता या निरस्तीकरण की कार्यवाही के लिए लाइसेंसिंग प्राधिकारी को भेजा जा सकता है। हमने सभी यातायात अधिकारियों को निर्देशों का पालन करने का निर्देश दिया है।

एडमिशन दिलाया, फिर लूटने लगा इंजीनियरिंग छात्रा की आबरू

हैवान कॉलेज डायरेक्टर गिरफ्तार

नईदिल्ली, एजेंसी। फरीदाबाद के पलवल स्थित एक इंजीनियरिंग कॉलेज की छात्रा के साथ होटल में ले जाकर लगातार तीन वर्ष तक दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। छात्रा ने कॉलेज के ही निदेशक (एडमिन डायरेक्टर) पर हैवानियत करने का आरोप लगाया। मुंडकटी थाना की पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर केस दर्ज कर आरोपी निदेशक को शनिवार रात को गिरफ्तार किया है। मुंडकटी थाना प्रभारी रेणु शेखावत के अनुसार 22 वर्षीय एक युवती शहर के एक इंजीनियरिंग कॉलेज की छात्रा है। कॉलेज के ही एडमिन डायरेक्टर ने वर्ष 2022 में उसको दाखिला दिलाया था। दाखिले के 15 दिन के अंदर उसकी कॉलेज में पार्ट टाइम नौकरी भी लगवा दी थी। पीड़िता ने पुलिस शिकायत में बताया है कि एडमिन डायरेक्टर दबाव बनाकर उसे 2022 में एक होटल में ले गया। वहां उसके साथ दुष्कर्म किया। इस दौरान उसकी अश्लील वीडियो भी बना ली। पीड़िता के अनुसार आरोपी वीडियो को वायरल करने की धमकी देकर उसके साथ कई दुष्कर्म करता रहा। उसने जब आरोपी की बात मानने से मना कर दिया तो वह उसे जान से मारने और वीडियो को वायरल करने की धमकी देने लगा। फरीदाबाद स्थित उसके घर पहुंचकर आरोपी ने पीड़िता के साथ मारपीट भी की। इससे वह काफी सहम गई थी इस वजह से उसने पुलिस को शिकायत नहीं दी। इससे आरोपी उसे और परेशान करने लगा तो उसकी हरकतों से तंग आकर पीड़िता ने अब फरीदाबाद के धौज थाना में आरोपी के खिलाफ शिकायत दे दी।

एसीपी ने हरियाणवी सिंगर मासूम शर्मा से छीना माइक, बीच में ही बंद कराया लाइव शो

नईदिल्ली, एजेंसी। हरियाणवी सिंगर मासूम शर्मा के गुरुग्राम में आयोजित शो में गन कल्चर और बदमाशी से प्रेरित एक प्रतिबंधित गाना गाने को लेकर पुलिस ने उनका शो बीच में ही बंद करवा दिया। हालांकि मासूम शर्मा ने अपने फैंस की डिमांड पर गाने के कुछ बोल ही गाए थे, तभी गुरुग्राम पुलिस के एसीपी ने माइक को छीनकर शो खत्म होने की घोषणा कर दी। लाइव शो में मासूम शर्मा के गाने सुनने आए फैन को वापस जाने का निर्देश दिया गया। हालांकि पुलिस ने इस पर कोई कार्रवाई नहीं की है। बता दें कि कुछ महीने पहले ही हरियाणा में गन कल्चर से संबंधित गानों के बनाने और गाने पर पाबंदी लगा दी गई थी। हरियाणवी सिंगर मासूम शर्मा का शनिवार को सेक्टर-29 स्थित जिमखाना क्लब में लाइव शो का कार्यक्रम था। कार्यक्रम में मासूम शर्मा के गानने सुनने के लिए हजारों की संख्या में फैंस आए थे।

औरंगजेब विवाद के बीच विहिप प्रतिनिधिमंडल ने दिल्ली में हुमायूं मकबरे का किया निरीक्षण

नईदिल्ली, एजेंसी। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने रविवार को कहा कि संगठन के एक प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रीय राजधानी स्थित हुमायूं के मकबरे का निरीक्षण किया। इस कवायद का उद्देश्य दिल्ली के ऐतिहासिक संदर्भ का अध्ययन करना है। विहिप के प्रतिनिधिमंडल का दूसरे मुगल शासक हुमायूं के मकबरे का दौरा महाराष्ट्र में औरंगजेब के मकबरे को हटाने की मांग को लेकर कुछ हिंदू संगठनों द्वारा किए जा रहे विरोध प्रदर्शनों के बीच हुआ है। इन संगठनों का आरोप है कि 17वीं सदी के मुगल शासक ने हिंदुओं पर अत्याचार किए थे। विहिप की दिल्ली इकाई ने एक बयान में कहा कि उसके पदाधिकारियों का एक प्रतिनिधिमंडल जल्द ही सफदरजंग मकबरे का निरीक्षण करने जाएगा। यूनेस्को के विश्व धरोहर स्थल हुमायूं के मकबरे पर जाने वाले विहिप प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व संगठन की दिल्ली इकाई के सचिव सुरेन्द्र गुप्ता ने किया। बयान में कहा है कि सुरेन्द्र गुप्ता ने स्पष्ट किया कि इस निरीक्षण का कोई विवादास्पद मतलब नहीं निकाला जाना चाहिए।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री जैन ने ग्राम पंचायतों में किये जा रहे कार्यों का किया निरीक्षण

इंदौर। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सिद्धार्थ जैन ने गुरूवार को विकासखंड सांवेर के विभिन्न ग्रामों का भ्रमण किया। उन्होंने पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की योजनाओं के साथ-साथ अन्य शासकीय योजनाओं के ग्राम पंचायतों में किये जा रहे क्रियान्वयन की जानकारी ली। भ्रमण के दौरान ग्राम पंचायत मांगलिया में स्वच्छ भारत मिशन के तहत निर्मित एमआरएफ सेंटर का निरीक्षण करते हुए जैन द्वारा कचरा संग्रहण व सेग्रिकेशन कार्य का अवलोकन किया। सेंटर में शेष कार्य निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करने और आवश्यक मशीनों को तुरंत इंस्टॉल कर कार्य पूर्ण करने हेतु संबंधितों को निर्देशित किया। ग्राम पंचायत बुडी बरलाई भ्रमण के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा आदर्श मोक्ष धाम का निरीक्षण किया गया। उन्होंने ग्राम पंचायत द्वारा बनाए गए मोक्ष धाम की स्वच्छता व सुंदरता को सराहा। साथ ही ग्राम पंचायत में स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का भी निरीक्षण कर उपस्थित स्टाफ से उनके द्वारा मरीजों को दी जा रही सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में स्वास्थ्य लाभ ले रहे मरीजों से भी चर्चा की तथा केन्द्र में प्राप्त हो रही सुविधाओं व शासकीय योजनाओं से मिल रहे लाभों के बारे में जानकारी ली। जैन द्वारा ग्राम पंचायत बरलाई जागीर के भ्रमण के दौरान प्राचीन अहिल्या कुंड बावडी का निरीक्षण किया गया। उन्होंने पंचायत द्वारा बावड़ी के जीर्णोद्धार के तहत किये जा रहे कार्यों की विस्तार से जानकारी प्राप्त की और बावड़ी के रखरखाव हेतु ग्राम पंचायत को आवश्यक सुझाव दिए। भ्रमण के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा शासकीय योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों से भी चर्चा की गई।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक गोपाल गावंडे द्वारा पंकज प्रिंटर्स एण्ड पैकेजिंग एल.यू.एन 22 सेक्टर एफ सांवेर रोड, इण्डस्ट्रीयल एरिया इंदौर म.प्र. एवं जी -1 कॉस्मिक रीजेंसी 117 गोकुल नगर कनाडिया इंदौर म.प्र. से प्रकाशित
संपादक गोपाल गावंडे (पी.आर.बी.) एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार (सभी विवादो का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)